1. उन्नत भारत अभियान तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
2. योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं वरन् एक जीवन दर्शन है
3. संस्कृत रेडियो नाटक आनंदी बेन जोशी का प्रसारण

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अगस्त 2022
अंक 23

उन्नत भारत अभियान तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 15 से 17 जुलाई 2022 आगरा, उत्तर प्रदेश के दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) द्वारा भारत सरकार के उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत सामाजिक आधार पर अनुसंधानिक भागीदारी हेतु मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जुलाई से 17 जुलाई तक प्रदान किया गया । जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों से आए 32 प्रतिभागियों को विशिष्ट प्रशिक्षकों के द्वारा उन्नत भारत कार्यक्रम की महत्ता बताते हुए उसकी सामाजिक उपादेयता और उसके अंतर्गत किए जाने वाले नवाचार हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया । दिनांक 15 जुलाई के कार्यक्रम के अंतर्गत 8 प्रशिक्षकों और 32 प्रतिभागियों के साथ दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के निदेशक प्रोफेसर पी.के. कालड़ा, कुलसचिव प्रोफेसर आनंद मोहन, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी एवं उन्नत भारत अभियान के क्षेत्रीय समन्वयक प्रोफेसर अक्षय कुमार सत्संगी उपस्थित थे । दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के सभी संकाय प्रमुख और विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत प्रार्थना के पश्चात यूजीसी उपनिदेशक दीक्षा राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति में उनके साथ मुख्य अतिथि राजेश टंडन और विशिष्ट अतिथि श्री अशोक कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् क्षेत्रीय समन्वयक उन्नत भारत अभियान प्रोफेसर अक्षय सत्संगी ने सभी उपस्थित आगंतुकों का हृदय से स्वागत किया और कार्यक्रम के लक्ष्य पर दृष्टिपात किया। उन्नत भारत कार्यक्रम की ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्ता और उसके उद्देश्य पर संक्षेप में विचार प्रस्तुत करते हुए उन्होंने उन्नत भारत अभियान के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य को श्रोताओं और प्रतिभागियों के सम्मुख प्रस्तुत किया, साथ ही उन्होंने तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर पी.के. कालड़ा ने अपने उद्घाटन भाषण में कार्यक्रम की सफलता की कामना करते हुए प्रेरणा एवं शुभकामनाएं दी। 15 जुलाई के उद्घाटन सत्र का अंत विश्वविद्यालय प्रार्थना एवं प्रो. रूपाली सत्संगी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया । सम्पूर्ण उद्घाटन कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. निशीथ गौड़ के द्वारा किया गया ।

15 जुलाई, उद्घाटन सत्र के पश्चात् दो महत्वपूर्ण सत्रों का आयोजन किया गया। द्वितीय सत्र में सामुदायिक सहभागिता की पृष्ठभूमि और मास्टर ट्रेनर की भूमिका बताई बताई गई। तृतीय सत्र में कृषि क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। 16 जुलाई को प्रो. राजेश टंडन, प्रो. नटराजन एवं श्री अशोक कुमार ने प्रतिभागियों को क्रियात्मक कार्यों के द्वारा खेतों के भ्रमण के पश्चात् विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों की प्रस्तुति का प्रशिक्षण दिया । दिवस के अंत में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत में प्रार्थना के साथ–साथ नृत्य गीत प्रस्तुत किया गया। देश भक्ति गीत भी प्रस्तुत किया गया। तबला जुगलबंदी प्रस्तुत की गई। साथ ही ब्रज गीत तथा कव्वाली आदि भी प्रस्तुत की गयीं । डॉ. नीतू गुप्ता के समन्वयन में कई मनोहारी और संगीतमय प्रस्तुतियां दी गयीं । दिनांक 17 जुलाई को प्रतिभागियों को पुनः खेतों का भ्रमण कराया गया तथा चिकित्सा शिविर का भी भ्रमण कराया गया दयालबाग़ की ग्रामीण विकास में भूमिका पर विचार करते हुए पुनः क्रियात्मक, प्रयोगात्मक गतिविधियाँ करायी गयीं । दिवस के अंत में समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी श्री पूरन डाबर थे । विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएसपी आगरा, श्री

दरवेश कुमार उपस्थित थे। अपने वक्तव्य में अतिथिगण के द्वारा दयालबाग़ शिक्षण प्रणाली की महत्ता को प्रस्तुत किया और उन्नति की कामना की। साथ ही उद्घाटन सत्र से ही निरंतर जुड़े प्रोफेसर राजेश टंडन (विशिष्ट वक्ता यूजीसी) श्री अशोक कुमार, सुश्री समीक्षा , श्री हितेश मानिक आदि के सतत् सान्निध्य से प्रतिभागियों ने ग्रामीण विकास के सन्दर्भ में बहुत कुछ सीखा। कुलसचिव दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट प्रो. आनंद मोहन ने अपने समापन भाषण में सभी को शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रीय समन्वयक प्रो. अक्षय सत्संगी ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की । प्रतिभागियों ने अपने भावुक विचारोद्गार प्रस्तुत किये अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए और अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया । डॉ. सोना दीक्षित द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का समापन संस्थान गीत और राष्ट्रगान से किया गया ।समापन कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नमस्या ने किया। डॉ. रुपाली सत्संगी, डॉ. भावना जौहरी , डॉ. ईश्वर, डॉ. संजीव, डॉ.सनिल आदि उन्नत भारत अभियान समूह के सभी सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित थे।

योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं वरन् एक जीवन दर्शन है –डॉ. एस के सत्संगी

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उन्नत भारत अभियान के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगाभ्यास कराया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एस के सत्संगी ने शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए योग के महत्त्व से परिचित कराया एवं अष्टांग योग के विषय में बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजु भटनागर उपस्थित थीं। योगगुरु संगीता सिन्हा एवं अभिनव सिन्हा के द्वारा विविध योगासन कराए गए। महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत रैपिड एक्शन फोर्स के द्वारा मार्शल आर्ट का शक्ति प्रदर्शन किया गया। उत्तम योगासन के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, प्रो. अजय सक्सेना, प्रो. स्वामी दयाल सक्सेना, प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ, प्रो. नंदिता सत्संगी, उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अक्षय सत्संगी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुनेश्वर प्रसाद, प्रो. सुनीता, डॉ. लौलीन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निशीथ गौड़ एवं धन्यवाद ज्ञापन उन्नत भारत अभियान के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अक्षय सत्संगी ने किया।

21 जून 2022 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के टेक्निकल कॉलेज के अप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य योग, स्वस्थ जीवन के लिये एक सहायक समग्र चिकित्सा पर चिंतन करना था। जिसका शुभारम्भ डी.ई.आई. इंटरनेशनल सभागार में प्रातः 9:00 बजे प्रार्थना के द्वारा किया गया तत्पश्चात् इन्स्टीट्यूट के निदेशक महोदय प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने योग की महत्ता को बताते हुए स्वस्थ मानव से संपूर्ण मानव बनने में योग को एक महत्त्वपूर्ण कारक बताया तथा सभी आभासीय पटल ऑनलाइन मोड से जुड़े हुए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, टेक्निकल कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री विजय प्रकाश मल्होत्रा ने कॉलेज के इतिहास, निरंतर प्रगति ,उपलब्धियों एवं रोजगार परक शिक्षा से अवगत कराया, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. ज्योति कुमार अरोड़ा ने वेबिनार शीर्षक योग एक स्वस्थ जीवन के लिए एक सहायक समग्र चिकित्सा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा बताया कि 7 देशों के करीब 1537 व्यक्तियों ने अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराया। वेबिनार में अधिकतम विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराकर योग के विभिन्न आयामों पर उत्साह प्रदर्शित किया जिसमें प्रमुख प्रो.एम के श्रीधर ,कुलसचिव स्वयसा यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के द्वारा उद्घाटन भाषण दिया जिसमें उन्होंने बताया योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह मन और शरीर की एकता का प्रतीक है। विचार और क्रिया संयम और पूर्ति मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण। यह नहीं है व्यायाम के बारे में लेकिन अपने, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना की खोज करना। अपनी जीवन शैली को बदलने और चेतना पैदा करने से कल्याण में मदद मिल सकती है इत्यादि के बारे में प्रकाश डाला ।उनके बाद डॉक्टर संजय राय ,ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टीट्यूट द्वारा एड्स जैसी जटिल बीमारी में योग का प्रयोग कर लगभग दस वर्ष से सफल परिणाम प्राप्त कर शोध कर रहे हैं जिसमें उन्होंने अपने शोध के अनुभव पर व्याख्यान देते हुए योग की महत्ता को प्रदर्शित किया उसके बाद प्रो. साधना दौनेरिया हेड ,योग और ध्यान का विज्ञान और प्रोद्यौगिकी विभाग ,बरकातुल्लाह यूनिवर्सिटी ,भोपाल ने योग के विभिन्न आसन और प्राणायाम की विधि से मनुष्य अपने चेतनता को निर्देशित कर सही भावनाओं का स्वागत कराया । उन्होंने स्पष्ट किया कि सृजन कर सकता है और

अपने रोगरोधक क्षमता को मजबूत बना सकता है, जो अंततः समग्र स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है इस पर प्रकाश डाला उनके बाद प्रो बी.आर.शर्मा, कुलपति ,श्री श्री यूनिवर्सिटी कटक उड़ीसा ने श्वास के जीवन में रहस्य पर अपने विचार व अनुभव का उल्लेख किया उनके बाद डॉक्टर सोना आहूजा डीन, नोन–यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूशंस ,डी.ई.आई० ने लैक्टो शाकाहारियों की कार्यकारी कार्यप्रणाली और सूरत शब्द योग का मनुष्य के जीवन में महत्व को बताया ।उनके बाद प्रो. प्रेम प्रकाश ,योग वैज्ञानियों और स्वास्थ्य कोच सिंगपॉर ने संक्रामक रोगों का निवारण करने की शरीर की शक्ति (रोग प्रतिरोधक शक्ति) की वृद्धि पर अपने विचार विमर्श किए इनके बाद प्रो.सतवीर सिंह खालसा प्रोफेसर ऑफ मेडिसिन हॉर्वर्ड मेडिकल अमेरिका के निर्देशक है तथा योग द्वारा जटिल से जटिल बीमारियों को नियंत्रण करने में सफल एवं सहायक भी है स्वास्थ्य रखरखाव और रोकथाम के लिय योग पर विज्ञान और अनुसंधान पर चर्चा की स उसके बाद वेबीनार से जुड़े हुए पैनलिस्ट डॉ. ए.के.खन्ना वरिष्ठ फिजीशियन असोपा, हॉस्पिटल आगरा, डॉ संदीप अग्रवाल, कैंसर, सर्जन, पुरुषोत्तम दास, सावित्री देवी, हॉस्पिटल, आगरा डॉक्टर सिद्धार्थ अग्रवाल, वरिष्ठ फिजीशियन सरन आश्रम हॉस्पिटल आगरा, जो सभागार में उपस्थित होते हुए तथा प्रोफेसर वीयके कटियार ,डीन पतंजलि इंस्टीट्यूट होगा एवं डाक्टर सतबीर सिंह खालसा हावर्ड यूनिवर्सिटी यूएसए ऑनलाइन जोड़कर एक ही मंच पर आज के वेबिनार के शीर्षक से संबंधित विचार एवं अपने अनुभवों को प्रस्तुत कर वेबिनार का निष्कर्ष जो कि मनुष्य के जीवन में स्वस्थ आध्यात्मिक प्रगति की ओर अग्रसारित होकर परम वास्तविकता को प्राप्त करने का योग एक महत्त्वपूर्ण साधन बताया अंत में प्रो. आनंद मोहन कुलसचिव, दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट द्वारा धन्यवाद दिया गया व प्रार्थना के साथ वेबिनार का समापन किया गया।

संस्कृत रेडियो नाटक आनंदी बेन जोशी का प्रसारण

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के कला संकाय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भाषा में अध्ययनरत छात्राओं कृति यादव ,प्रीति कुमारी ,मानसी जैन ,खुशबू गोयल के द्वारा भारत की पहली महिला चिकित्सक आनंदीबेन जोशी पर आधारित संस्कृत रेडियो नाटक आनंदी बेन जोशी की रिकॉर्डिंग एवं प्रसारण आकाशवाणी आगरा से किया गया । आजादी के अमृत महोत्सव पर सबसे पहले संस्कृत भाषा में आगरा आकाशवाणी न्यूज़ ऑन एयर एप पर प्रसारित यह नाटक अनेक कार्यक्रमों में सराहा गया ।

PMMMNMTT, स्कूल आफ एजूकेशन के अन्तर्गत शिक्षा संकाय में 7 जुलाई, 2020 को ''हाउ टू डू गुड क्वालिटी रिसर्च'' पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान प्रोफेसर सुखदेव रॉय, विभागध्यक्ष भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, डी.ई.आई. द्वारा दिया गया। प्रो. सुखदेव राय ने समस्या का चयन, प्रमुख अनुसंधान की गतिविधियों की निगरानी, अनुसंधान वातावरण का महत्व, अनुभव साझा करने पर विचार–विमर्श किया। इस विशेष व्याख्यान में शिक्षक शिक्षाविदों, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और शोध विद्वानों ने उत्साह के साथ भाग लिया। व्याख्यान का संचालन डॉ. सोना दीक्षित ने किया।

डॉ. सोना दीक्षित ने यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा आयोजित ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स (आईसीटी इनेबल्ड लर्निंग) को 20–06–2022 से 27–06–2022 तक सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. सोना दीक्षित ने पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय के तहत टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन आयोजित 13 से 27 जुलाई 2022 तक 'मैनेजिंग ऑनलाइन क्लासेस एंड को–क्रिएटिंग मूक्स' में दो सप्ताह के संकाय विकास अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. कल्पना गुप्ता ने 16 जुलाई से 22 जुलाई 2022 तक टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय फैकल्टी डवलपमैंट प्रोग्राम 'शैक्षणिक अनुसंधान लेखन में भाग लिया और 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।

डॉ. कल्पना गुप्ता ने 25 जुलाई से 31 जुलाई 2022 तक मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा और केप कोमोरिन ट्रस्ट इंडिया द्वारा आयोजित सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल फैकल्टी डवलपमैंट प्रोग्राम में भाग लिया, जो ''क्रिएटिंग एण्ड स्टिमयूलेटिंग रिसर्च बेस्ड टीचिंग इन हायर एजूकेशन'' पर आधरित था इसमें उन्होंने 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।

डॉ. कल्पना गुप्ता ने एनईपी 2020,15 से 20 जून 2022तक यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ द्वारा आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. कल्पना गुप्ता ने 18 जून 2022 को संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ''योगा कनेक्टिंग बॉडी माइन्ड एण्ड सोल'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया।

डॉ. कल्पना गुप्ता ने 14 जून 2022 से 20 जून 2022 तक आयुष और इंजीनियरिंग संकाय, डीईआई दयालबाग, आगरा द्वारा आयोजित सात दिवसीय योग शिविर (अमृत योग सप्ताह) में एक रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया।

डॉ. आरती सिंह ने 13–19 जून 2022 तक वर्चुअल रूपमें फैकल्टी डवलपमैंट प्रोग्राम ''हायर एजूकेशन इन 21 सेन्चुरी'' में भाग लिया यह प्रोग्राम 'ए' ग्रेड प्राप्त किया। जो मरियानी कॉलेज जोरहाट, असम के सहयोग से ई एंड आईसीटी अकादमी आईआईटी गुवाहाटी और स्किलजिम लिमिटेड के सहयोग से द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रो. सोना आहूजा ने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में ऑनलाइन मोड के माध्यम से 04–05 अगस्त, 2022 के दौरान इस संस्थान के शैक्षिक नीति विभाग द्वारा आयोजित ''सोशल रेस्पोन्सिबिलिटी एण्ड कम्युनिटी इनगेजमेंट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन : पोलिसीज एण्ड प्रेक्टिसेज'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (आभासी) में भाग लिया तथा ''रूरल एमपॉवरमेंट थ्रो इन्टेग्रेशन ऑफ स्कूल एण्ड टीचर एजूकेशन : अ मॉडल ऑफ दयालबाग एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट'' लिखित शोधपत्र पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. आरती सिंह ने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में ऑनलाइन मोड के माध्यम से 04–05 अगस्त, 2022 के दौरान इस संस्थान के शैक्षिक नीति विभाग द्वारा आयोजित ''रूरल एमपॉवरमेंट थ्रो इन्टेग्रेशन ऑफ स्कूल एण्ड टीचर एजूकेशन : अ मॉडल ऑफ दयालबाग एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट''पर राष्ट्रीय कार्यशाला (आभासी) में भाग लिया तथा ''प्रोमोटिंग सोशल रेस्पोंसिबिलिटी थ्रो कम्यूनिटी इनगेंजमेंट बाय दयालबाग एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट'' लिखित शोधपत्र पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक : • प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक : • प्रो. जे.के. वर्मा
सम्पादक : • डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक : • डॉ. निशीथ गौड़
• डॉ. सूरज प्रकाश बड़त्या
सम्पादन सहयोग : • डॉ. कविता रायजादा
• श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक :
• श्री अतुल सूरी
• डॉ. रचना गुप्ता
• डॉ. बीरपाल सिंह ढेनुआ
• श्री मनीष कुमार
• डॉ. सुमन शर्मा
• श्रीमती सीता पाठक
• डॉ. राजीव रंजन
• डॉ. आरती सिंह
• श्री राजीव सत्संगी